ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया

डर्बी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 36 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जो साउथ अफ्रीका को हराकर पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी है। हरमनप्रीत कौर की धमाकेदार (171*) पारी की बदौलत भारतीय टीम ने 281 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया को जीतने के लिए 282 रन बनाने थे लेकिन टीम 245 रनों पर ही सिमट गई।

भारतीय खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर ने अपने वनडे करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 171 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 7 छक्के और 20 चौके जमाए। वह अंत तक आउट नहीं हुई। हरमन के बाद सबसे ज्यादा 36 रन कैप्टन मिताली राज ने बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर स्कट, गार्डनर, बीम्स और विलानी ने 1-1 विकेट लिए।

टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। भारत की शुरुआत कुछ अच्छी नहीं रही पहले ही ओवर में ओपनिंग बल्लेबाज स्मृति मंधाना (6) रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद मिताली राज ने पूनम राउत के साथ भारत की पारी को संभालने का प्रयास किया और संभलकर खेलते हुए दोनों ने मिलकर 29 रन जोड़ लिए। इस बीच 10वें ओवर में पूनम राउत (14) मिताली का साथ छोड़ गईं। इसके बाद मिताली का साथ निभाने हरमनप्रीत कौर क्रीज पर आईं। दोनों ने मिलकर संभलकर पारी को आगे बढ़ाया। 25वें ओवर में भारत ने अभी 100 रन ही पूरे किए थे कि मिताली राज (36) बीम्स की बॉल पर बोल्ड हो गईं। यहां से भारत की पारी संकट में घिरती दिख रही थी। यहां से हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति शर्मा (25) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। इस बीच पहले हरमनप्रीत कौर ने पहले अपनी फिफ्टी जमाई। इसके बाद 90 बॉल में जल्द ही अपनी सेंचुरी पूरी कर ली।

सैकड़ा जड़ने के बाद उन्होंने अपनी रनगति को और तेज कर लिया और भारत के लिए तेजी से उपयोगी रन बटोरने का काम जारी रखा। दूसरे छोर पर उनका बेहतरीन साथ निभा रहीं दीप्ति शर्मा (25) बोल्ड हो गईं। हरमनप्रीत कौर की मांसपेशियों थोड़ा खिंचाव जरूर आ गया था। लेकिन वह जहां चाह रही थीं वहीं गेंद को सीमा रेखा के बाहर भेज रही थीं। इस दौरान वह रन दौड़ने से भले ही परहेज कर रहीं थीं, लेकिन चौके-छक्के बरसाकर वह इसकी बखूबी भरपाई कर रही थीं। हरमनप्रीत के आगे ऑस्ट्रेलियाई बोलर्स की एक नहीं चल रही थी। इससे पहले बारिश से प्रभावित होने के कारण यह मैच 3 घंटे से ज्यादा की देरी से शुरू हुआ है। इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। बारिश से प्रभावित होने के कारण इस मैच में कुल 16 ओवर काटे गए हैं। यानी अब यह मैच 42-42 ओवर का होगा।

भारतीय टीम ने इस मैच में कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक बदलाव के साथ मैच में उतरी है। अगर आज भारत की टीम यह मैच जीतती है, तो वह फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी। इंग्लैंड की टीम ने पहले सेमीफाइनल मैच में साउथ अफ्रीका को हराकर पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

बहन बोली, सहवाग-कोहली की फैन है हरमनप्रीत कौर

चंडीगढ़। हरमनप्रीत कौर की बहन हेमजीत ने परिवार में इस बल्लेबाज की शानदार पारी के जश्न को बयां करते हुए कहा, वह वीरेंदर सहवाग की तरह बल्लेबाजी करती है और विराट कोहली की तरह आक्रामक है।

हरमनप्रीत की विस्फोटकीय पारी से भारतीय टीम आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 171 रन की शानदार पारी खेली जिससे भारत ने 36 रन से जीत दर्ज की। यह महिला क्रिकेट की महान वनडे पारियों में से एक भी रही। पंजाब में मोगा स्थित उनके घर में जश्न का माहौल है। मोगा में उनके घर में बीती रात से दोस्तों और शुभचिंतकों का परिवार को बधाई देने के लिये आना जारी है. पड़ोस में युवा ढोल पर नाच रहे हैं जबकि परिवार के लोग मिठाइयां बांटने में व्यस्त हैं।

उनकी बहन ने कहा, बचपन से ही, वह लड़कों के साथ क्रिकेट खेल रही है। उसकी रनों की भूख कभी खत्म नहीं होती और यह उसके स्ट्राइक रेट में भी दिखायी देता है। हेमजीत ने कहा, हरमन हमेशा सकारात्मक रही है। मैदान पर वह हमेशा विराट कोहली की तरह बर्ताव करती है और उसकी तरह आक्रामक दिखती है। हालांकि मैदान के बाहर वह काफी शांत और संयमित है। शुरुआती दिनों से ही वह वीरेंदर सहवाग को अपना आदर्श मानती है और उनकी तरह की बल्लेबाजी करती है।

हरमनप्रीत की इस शानदार पारी के बारे में हेमजीत ने कहा, अगर यह मैच बारिश से प्रभावित नहीं होता तो, वह शायद दोहरा शतक भी लगा सकती थी और विपक्षी टीम के लिये और मुश्किल खड़ी कर सकती थी। इस बल्लेबाज की गुरुवार की पारी की तुलना कपिल देव की जिम्बाब्वे के खिलाफ 1983 विश्व कप अभियान के दौरान ऐतिहासिक 175 रन की पारी से की जा रही है। हेमजीत स्कूल में इंग्लिश की शिक्षिका है, उन्होंने कहा, अगर हरमन की पारी की तुलना महान कपिल देव से की जा रही है तो यह उसके लिये काफी सम्मान की बात है। हरमप्रीत और उनकी बहन के लिए उनके पिता हरमंदर सिंह आदर्श रहे हैं। उन्होंने कहा, उसके पहले कोच हमारे पिता रहे हैं। वह अच्छे क्रिकेटर थे, लेकिन कुछ कारणों से वह खेल में वहां तक नहीं पहुंच सके, जहां वह पहुंचना चाहते थे। लेकिन आज वह अपनी बेटी की वजह से अपना सपना साकार होते हुए देख रहे हैं।

मुझे खुद को साबित करना था: हरमनप्रीत

आईसीसी महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली हरफनमौला खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर का कहना है कि उन्हें इस मैच में खुद को साबित करना था। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइन्फो डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच में हरनप्रीत की 115 गेंदों पर खेली गई 171 रनों की बेहतरीन पारी के दम पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 36 रनों से हराकर दूसरी बार टूर्नमेंट के फाइनल में कदम रखा। भारतीय टीम का सामना रविवार को लंदन के द लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड से होगा। मैच के बाद अपने एक बयान में हरमनप्रीत ने कहा, इस पूरे टूर्नमेंट में मुझे बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। इस सेमीफाइनल मैच में मुझे जब यह मौका मिला, तो मेरा लक्ष्य खुद को साबित करना था। भगवान का शुक्र है कि जो मैंने सोचा वही हुआ। मिताली राज, दीप्ति शर्मा और वेदा कृष्णमूर्ति ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। हरमनप्रीत ने कहा, इस मैच में मेरी योजना प्रतिद्वंद्वी टीम की गेंदों पर नजर रख, उन पर अच्छे शॉट खेलने की थी। मैंने दीप्ति से कहा कि जितनी हो सके अदला-बदली होती रहे। मैंने कहा कि उन्हें अधिक दबाव लेने की जरूरत नहीं है और मुझे स्ट्राइक का मौका दें, बाकी जिम्मेदारी मेरी।

पिता की ख्वाहिश, वर्ल्ड कप जीतकर लौटे हरमनप्रीत कौर

आईसीसी महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलने वालीं हरमनप्रीत कौर के परिवार वाले अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर बहुत खुश हैं। उन्होंने 115 गेंदों पर 171 रनों की पारी खेली। पंजाब के मोगा जिले में रहने वाले हरमनप्रीत कौर के पिता ने कहा कि वह अपनी बेटी की इस पारी से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि वह और आगे बढ़े और वर्ल्ड कप जीतकर देश का मान बढ़ाए। इस मौके पर हरमनप्रीत की मां ने कहा कि लड़कियों को सशक्त करने की जरूरत है। उन्हें गर्भ में ही नहीं मार देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह मेरी बेटी ने देश का मान बढ़ाया है इससे अन्य लड़कियों को भी प्रेरणा मिलेगी। गुरुवार को आईसीसी महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 36 रनों से हराकर सिर्फ दूसरी बार महिला विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई है। भारत ने पहली बल्लेबाजी करते हुए हरमनप्रीत के 171 रनों की पारी की बदौलत 42 ओवरों के इस मैच में 281 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 245 रनों पर समेट दिया।

भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज

श्रीलंका कैप्टन चांदीमल दो टेस्ट से बाहर

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय है, लेकिन स्थानीय खबरों की मानें, तो श्रीलंकाई टीम के लिए खबर अच्छी नहीं है। श्रीलंका टीम के नवनियुक्त कप्तान दिनेश चांदीमल सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं। श्रीलंका के संडे टाइम्स की खबर के मुताबिक, चांदीमल न्यूमोनिया से पीड़ित हैं और वह गॉल के एक अस्पताल में भर्ती हैं।

इसके चलते बुधवार से शुरू हो रहे टेस्ट में उनका खेलना संदिग्ध है। हालांकि अभी तक श्रीलंकाई टीम द्वारा इस संदर्भ में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। टीम मैनेजर असांका गुरुसिन्हा ने यह बात जरूर कन्फर्म की है कि श्री लंका के कप्तान चांदीमल हॉस्पिटल में भर्ती हैं। टीम मैनेजर ने बताया, हमें देर रात को यह मालूम चल पाया कि चांदीमल न्यूमोनिया से पीड़ित हैं। उनकी ब्लड रिपोर्ट आने में देर हुई, जिससे न्यूमोनिया की पुष्टि हुई। इस पुष्टि के बाद यह तय है कि वह निश्चितरूप से पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

गुरुसिन्हा ने बताया, डॉक्टरों ने हमें बताया है कि पहले हम चांदीमल के बिना ही अपने पहले टेस्ट पर ध्यान लगाएं। इसके बाद चांदीमल के स्वास्थ्य पर हम सलाह दे पाएंगे। अगर वे कहते हैं कि उन्हें रिकवर होने में एक सप्ताह और लगेगा, तो फिर यही होगा। इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। अगर चांदीमल मैच नहीं खेलते हैं, तो फिर उनकी अनुपस्थिति में लेफ्ट आर्म स्पिनर रंगना हेराथ टीम की कमान संभालेंगे। 39 वर्षीय रंगना को श्रीलंकाई टीम की कप्तानी का अनुभव है और वह पहले भी टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

गुरुसिन्हा ने कहा, चांदीमल की अनुपस्थिति में संभवतज्ञ रंगना ही टीम की कप्तानी करेंगे। क्योंकि यह केवल एक टेस्ट मैच की बात है और वह पहले भी टीम की कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि अभी हमने ऐसा कुछ तय नहीं किया है और हम आज दोपहर तक इस पर निर्णय ले लेंगे।

फिक्स थे विंबलडन के तीन मैच!

लंदन। बीते सप्ताह खत्म हुए साल के तीसरे ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नमेंट विंबलडन के 3 मैचों के फिक्स होने का शक टेनिस इंटेग्रिटी यूनिट को है। TIU ने इन 3 मैचों की जांच करने की घोषणा की है। तीन में से 2 मैच विंबलडन के क्वॉलिफाइंग राउंड जबकि 1 मैच मुख्य ड्रॉ का है। इन मैचों की जांच प्रफेशनल टेनिस में भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए बनी TIU संस्था द्वारा उसके मैच अलर्ट पॉलिसी के तहत की जाएगी। इन तीन मैचों के साथ-साथ साल के दूसरे ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन के भी एक मैच की जांच की जाएगी। TIU को इन मैचों को लेकर सट्टेबाजी नियामक और सट्टेबाजी फर्मों से असामान्य सट्टेबाजी के अलर्ट प्राप्त हुए हैं।

इंग्लैंड के लिए इतना आसान नहीं होगा: मिताली राज

डर्बी। भारतीय कप्तान मिताली राज ने रविवार को होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड को चेतावनी देते हुए कहा कि मेजबानों को उनकी सुधार कर रही और आत्मविश्वास से भरी टीम से कड़े मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए।

भारत ने इंग्लैंड को शुरुआती मैच में 35 रन से मात दी थी और फाइनल में फिर उसे मेजबान टीम से भिड़ना है। मिताली ने पत्रकारों से कहा, बतौर टीम हम फाइनल का हिस्सा होने से काफी रोमांचित हैं। हम जानते थे कि यह टूर्नमेंट आसान नहीं होगा लेकिन जिस तरह से लड़कियों ने हर स्थिति में टीम की जरूरत के हिसाब से प्रदर्शन किया है, भले ही ये बल्लेबाज हों या गेंदबाज, उससे लगता है कि फाइनल उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से ही इंग्लैंड के लिए आसान नहीं होगा लेकिन यह निर्भर करता है कि उस दिन हम कैसा प्रदर्शन करते हैं। हमें सचमुच अपनी योजना और रणनीति के मुताबिक खेलना होगा क्योंकि इंग्लैंड ने भी पहले मैच में हमसे हारने के बाद से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, उन्होंने फाइनल तक काफी अच्छा खेल दिखाया, इसलिए मेजबान टीम के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेलना चुनौती होता है लेकिन यह इकाई इसके लिये तैयार है।

बैडमिंटन : अमेरिका ओपन क्वॉर्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे कश्यप, समीर

कैलिफोर्निया। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी परुपल्ली कश्यप और समीर वर्मा अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नमेंट के क्वॉर्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे। पुरुष एकल वर्ग के तीसरे दौर में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।

इसके अलावा, एच.एस. प्रणॉय ने भी अपना विजयी क्रम जारी रखते हुए टूर्नमेंट के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई है। कश्यप ने जहां तीसरे दौर में श्री लंका के खिलाड़ी निलुका करुनारत्ने को सीधे गोमों में 21-19, 21-10 से मात दी, वहीं समीर ने ब्राजील के बैडमिंटन खिलाड़ी येगोर सोएल्हो को 18-21, 21-14, 21-18 से हराया। प्रणॉय का सामना तीसरे दौर में नीदरलैंड्स के मार्क कालजॉव से हुआ। उन्होंने इस मैच में मार्क को 21-81, 4-21, 21-16 से मात दी।

ट्रोल करने वालों को दिया इरफान पठान ने करारा जवाब

नई दिल्ली। क्रिकेटर इरफान पठान को हाल ही में अपनी पत्नी सफा बेग के साथ एक फोटो पोस्ट करने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। इस फोटो में सफा ने नेल पालिश लगा रखी है। यही बात कुछ लोगों को रास नहीं आई और उन्होंने इसे लेकर सोशल मीडिया पर गुस्सा निकालना शुरू कर दिया।

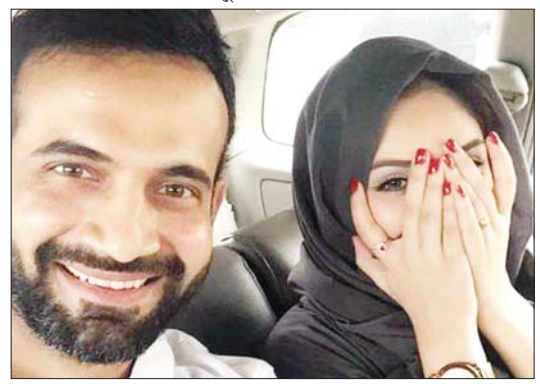

अब पठान ने अलग ही तरीके से इसका जवाब दिया है। इरफान ने ट्वीट कर कहा, कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना। इरफान ने कुछ दिन पहले यह ट्वीट किया था। बुधवार को उन्होंने एक और जवाब दिया। उन्होंने ट्वीट किया, मैं फिर कहता हूं :) अगर हम नफरत से ज्यादा प्यार फैलायें तो मुझे लगता है यह ज्यादा सही होगा।

इरफान ने जेद्दा की मॉडल सफा ने पिछले साल फरवरी में शादी की थी। भारतीय टीम में इरफान की वापसी की राह काफी मुश्किल नजर आती है। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2 अक्टूबर 2012 को खेला था।

गुरुवार को ही क्रिकेटर मोहम्मद शमी को उनके बेटी के जन्मदिन के मौके पर ट्रोल किया गया। शमी ने अपने परिवार के साथ फोटो पोस्ट की तो कुछ लोगों ने उन्हें इस बात के लिए निशाना बनाया कि उनकी पत्नी ने हिजाब नहीं पहना हुआ था।

इंग्लिश बल्लेबाज माइकल लैंब ने क्रिकेट जगत से लिया संन्यास

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट और काउंटी क्लब नॉटिंगमशर के बल्लेबाज माइकल लैंब को टखने की चोट के कारण क्रिकेट जगत से मजबूरन संन्यास लेना पड़ा। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइन्फो डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, लैंब ने कहा कि वह इस फैसले से बिल्कुल खुश नहीं हैं, लेकिन वह मेडिकल तथ्यों का सम्मान करते हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ अगस्त, 2014 में ODI में पदार्पण करने वाले लैंब इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रोफी जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2010 में विश्व टी-20 टूर्नमेंट में टीम में अहम भूमिका निभाई थी। लैंब ने कहा, क्रिकेट जगत से संन्यास के फैसले को लेकर मैं बहुत निराश हूं, विशेषकर सीजन के मध्य में। हालांकि, मैं मेडिकल तथ्यों और विचारों का सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा, ट्रैंट ब्रिज में मैंने अपने करियर का सबसे अच्छा समय बिताया और नॉटिंगमशर क्लब में मैंने अपने समय का भरपूर आनंद लिया।

महिला टीम को बधाई देकर फंसे राजीव शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप के फाइनल में पहुंच कर देश को गर्व का मौका दिया है। पूरा देश टीम को बधाई देने में लगा हुआ है। आईपीएल चेयरमैन और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने भी ट्विटर पर टीम को शुभकामनाएं दी लेकिन वह अपने ट्वीट को लेकर फंस गए हैं। असल में महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल जीता है लेकिन शुक्ला ने टीम को चैंपियंस ट्रोफी के फाइनल में पहुंचने की बधाई दे दी है।

राजीव शुक्ला ने ट्वीट किया, महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया को हराकर चैंपियंस ट्रोफी के फाइनल में पहुंचने पर बधाई। हरमनप्रीत ने बहुत अच्छा खेला। शुक्ला के इस ट्वीट पर कई लोगों ने रिप्लाई कर के बताया कि यह वर्ल्ड कप है न कि चैंपियंस ट्रोफी। बता दें कि महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 36 रनों से हराकर फाइनल में पहुंच गई है। भारत ने 281 रन बनाए थे जिसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 245 रनों पर ही सिमट गई। भारत की तरफ से हरमनप्रीत ने नाबाद रहकर सबसे ज्यादा 171 रन बनाए।

शास्त्री, कोहली का ध्यान नंबर-1 बने रहने पर

कोलंबो। मैदान के बाहर तमाम विवादों को पीछे छोड़ते हुए भारतीय टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली की नजरें अब टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान कायम रखने पर हैं। शास्त्री ने टीम में वापसी की है। एक साल वह टीम निदेशक के तौर पर बाहर गए थे और एक साल बाद मुख्य कोच बनकर लौटे हैं। शास्त्री ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम का मुख्य लक्ष्य टेस्ट में नंबर-1 स्थान कायम रखने पर होगा।

शास्त्री ने कहा, मैं श्री लंका में पहली बार 18 साल की उम्र में आया था, तब में भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा था। एक प्रसारणकर्ता के रूप में मेरा पहला दौरा 1992 में श्री लंका का ही था। एक कोच के तौर पर भी मेरा पहला दौरा श्रीलंका का है। यहां पहुंचने पर संवाददाता सम्मेलन में शास्त्री ने कहा, श्रीलंका का घर में इतिहास काफी अच्छा है। अगर वह सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं तो अच्छी टीम तो हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, हम उनको हल्के में नहीं लेंगे और हमारी कोशिश नंबर-1 टीम का दर्जा कायम रखने की होगी। इसके अलावा हमारी कोशिश सुधार करने और नई चीजें सीखने की होगी। ड्रेसिंग रूम में अपने रोल के बारे में पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, मेरा रोल खिलाड़ियों को उस मानसिकता में रखना होगा जिसके रहते वह मैदान पर जाएं और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन है काफी मुश्किल।

पिछले कुछ दिनों से कोहली विवादों और आलोचनाओं के दौर से गुजर रहे हैं। पूर्व कोच अनिल कुंबले ने भी उन्हीं से विवाद की बात को मानते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि पिछली बार टीम ने यहीं एक साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 से सीरीज जीती थी। उन्होंने कहा, पिछले दौर पर पहला टेस्ट मैच गॉल में हारने के बाद हमने सीखा था कि टीम एक साथ कैसे रहती है, इसके बाद हम एक साथ आए। यहीं से वो सब शुरू हुआ था और हम नंबर-1 टीम बने थे।

उन्होंने कहा, टेस्ट मैच और दौरे की तैयारी के लिए काफी मेहनत करनी होती है। आप किसी भी सीरीज में ऐसे ही उठ कर नहीं आ सकते। टीम का हर सदस्य बराबर की जिम्मेदारी लेता है। इसी तरह एक पेशेवर टीम खेलती है। अंतिम समय पर मुरली विजय चोटिल हो कर सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस पर कोहली ने कहा कि यह दुर्भाग्यवश है, लेकिन साथ ही इसने एक और खिलाड़ी को अपने आप को साबित करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा, जो भी खिलाड़ी टीम में आता है वह अपने आप को साबित करना चाहता है। चोट दुर्भाग्यवश होती हैं, इन पर नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। विजय दुर्भाग्यशाली रहे। जब फिट महसूस नहीं कर रहे थे इस स्थिति में चयनकर्ताओं को अपनी चोट के बारे में बताने की लिए उनकी तारीफ करनी होगी। विजय की जगह शिखर धवन को टीम में चुना गया है। कोहली ने कहा, अभिनव मुकुंद ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा किया है। शिखर ने आखिरी बार जब वापसी की थी तब शतक मारा था। इसके बाद वह चोटिल हो गए थे और पुजारा ने पारी की शुरुआत की थी। भारत इस दौरे पर तीन टेस्ट, पांच वनडे और एक टी-20 मैच खेलेगी। पहला टेस्ट मैच 26 जुलाई से शुरू हो रहा है।

हॉकी: भारत हारा, वर्ल्ड कप क्वलिफाई करने का मौका गंवाया

जोहान्सबर्ग। जापान ने महिला हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल्स में गुरुवार को भारत को 2-0 से हराते हुए अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। भारत इस टूर्नमेंट में अपना अगला मैच 7वें-8वें स्थान के लिए 22 जुलाई को खेलेगा। यह मैच 5वें से 8वें स्थान के लिए खेला गया था। भारत ने अच्छी शुरुआत की और मोनिका ने शुरुआती मिनटों में ही गोलपोस्ट पे निशाना साधा, लेकिन जापान की गोलकीपर मेगुमी कागेयामा ने गोल नहीं होने दिया। जापान भी हालांकि पीछे नहीं रही। उसने अपनी आक्रामकता भी दिखाई और 7वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया जिसे काना नोमुरा में गोल में बदला। जापान ने इसके बाद 8वें और 10वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन इस बार मोनिका और सविता ने गोल नहीं होने दिया। दूसरे क्वॉर्टर में भारत ने आक्रामकता में इजाफा किया।